ज्ञानदीप

वर्ष – 16 | अंक – 61 | अप्रैल–जून 2012

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26122271, 26123436, 26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103
फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, टेलीग्राम: रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.indianrailways. gov.in

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. दीक्षा समारोह
2. इरिसेन में रेल सप्ताह का आयोजन
3. मुख्य इंजीनियर (रेलपथ मशीन) का सेमिनार
4. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 115वीं बैठक
6. आतंकवाद विरोध दिवस
7. ग्रीन बिल्डिंग, यूनिफाइड एसओआर एवं आईआरपीएसएम पर विशेष पाठ्यक्रम
8. इरिसेन संकाय का प्रशिक्षण/सेमिनार
9. निकट भविष्य में आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
11. विदाई/स्वागत
12. सृजन

1. दीक्षा समारोह



आई.आर.एस.ई.बैच – 2009 के दीक्षा समारोह का दृश्य



निदेशक महोदय के कर–कमलों द्वारा स्मृति–चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र ग्रहण करती परिवीक्षार्थी

इरिसेन में दिनांक 01 जून, 2012 को आई.आर.एस.ई.बैच – 2009 के प्रशिक्षण की समाप्ति के अवसर पर दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। दीक्षा समारोह के आयोजन की पहल पिछले वर्ष प्रारंभ की गई थी ताकि भारतीय रेल की चुनौतियों से भरे काम को प्रारंभ करने से पहले इन इंजीनियरों में स्फूर्ति का संचार किया जा सके। संस्थान के निदेशक श्री सी.पी.तायल की अध्यक्षता में समारोह आयोजित किया गया।

आई.आर.एस.ई.बैच–2009 के सभी परिवीक्षार्थियों को निदेशक महोदय के कर–कमलों द्वारा स्मृति–चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। इस बैच में तीन महिला आई.आर.एस.ई.परिवीक्षार्थी भी थीं। इस अवसर पर निदेशक ने सभी परिवीक्षार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर खुशी जाहिर की और बधाई दी। निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि परिवीक्षार्थी प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात अपने तैनाती स्थल पर जा रहे हैं जहां कि परिस्थिति प्रशिक्षण से बिल्कुल भिन्न होगी। कार्य स्थल पर चुनौतियां आपका राह देख रही होंगी। आपके समक्ष समस्याएं भी आएंगी उनके निराकरण के लिए आपको परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना होगा। आपके ऊपर वरिष्ठ अधिकारियों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों का भी दबाव होगा जिनसे आपको धैर्यपूर्वक शालीनता से निपटना होगा।

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक



दीक्षा समरोह के अवसर पर परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए निदेशक, इरिसेन

आपको अपने साथ काम करने वालों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित कर टीमवर्क जेनरेट करना होगा। कार्य स्थल पर आपका व्यवहार प्रतियोगी के रुप में नहीं बल्कि सहयोगी के रुप में होना चाहिए। सहयोगियों के कार्य संबंधी अनुभवों का लाभ उठाना आपके लिए हितकर होगा। निदेशक ने बताया कि काम को सुनियोजित ढंग से करने पर ही निष्पादन बेहतर होता है। आपने



निदेशक महोदय के कर–कमलों द्वारा स्मृति–चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र ग्रहण करते प्रशिक्षु अधिकारी

कहा कि आपका कार्य एवं आपका सकारात्मक व्यक्तित्व ही आपके उज्जवल भविष्य का परिचायक होगा। आपने सलाह दी कि काम में संस्थान द्वारा किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो तो डिस्कसन फोरम या फोन द्वारा सहायता ली जा सकती है। अन्य विभागों से आपसी तालमेल के साथ व्यावहारिकता एवं व्यावसायिकता बनाए रखना भी आपके लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। अंत में सभी का धन्यवाद करते हुए निदेशक ने अपना संबोधन समाप्त किया। दीक्षा समारोह का संचालन श्री श्याम खोचे, सह प्राध्यापक ने

2. इरिसेन में रेल सप्ताह का आयोजन



रेल सप्ताह के अवसर पर निदेशक, इरिसेन एवं संकाय अध्यक्ष

इरिसेन में दिनांक 18 अप्रैल, 2012 को रेल सप्ताह के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया। जिसमें संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने संगीतमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।



रेल सप्ताह के अवसर पर पुरस्कार वितरण का दृश्य

तदुपरांत संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों में से कुछ कर्मचारियों को उनके कार्य निष्पादन को देखते हुए श्री सी.पी.तायल, निदेशक ने पुरस्कृत किया। रेल सप्ताह के अवसर पर अपने संबोधन में निदेशक महोदय ने सर्वप्रथम सभी उपस्थित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और रेलवे की ऐतिहासिक एवं प्राचीन धरोहर की अविस्मरणीय घटनाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेलवे में किए गए अभिनव प्रयोगों और तकनीकी उन्नतियों पर चर्चा की तथा इरिसेन की समर्पित सेवाओं के संकल्प को दोहराते हुए संस्थान की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की।



रेल सप्ताह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का दृश्य

3. मुख्य इंजीनियर (रेलपथ मशीन) का सेमिनार



मुख्य इंजीनियर, ट्रैक मशीन के सेमिनार का दृश्य

दिनांक 26 एवं 27 अप्रैल, 2012 को इरिसेन में मुख्य इंजीनियर, रेलपथ मशीन के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ने स्वागत भाषण दिया। कार्यकारी इंजीनियर, रेलपथ मशीन, रेलवे बोर्ड ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया तथा कार्यसूची की मदों पर चर्चा की। उन्होंने भारतीय रेल की रेलपथ मशीन की प्रगति एवं नीति की समीक्षा पर प्रजेंटेशन दिए। निदेशक/TMS, रेलवे बोर्ड ने भी पर ''TMS रेलपथ मशीन के मॉड्युल'' पर प्रजेंटेशन दिए।

4. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार

दिनांक 21 एवं 22 जून, 2012 को इरिसेन में मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में कार्यसूची की मदों पर विचार विमर्श के अलावा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण : मुख्य रेलपथ इंजीनियर, उत्तर मध्य रेल द्वारा ''डिरेलमेंट ऑफ कालका एक्सप्रेस – डिस्कसन ऑन सीआरएस रिपोर्ट,'' श्री पी.के.गर्ग, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ –2 द्वारा ''रेल ग्राइंडिंग,'' ट्रिम्बल रेलवेज GEDO ट्रॉली सिस्टम द्वारा ''ट्रिम्बल GEDO



मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

CE–प्री मेजरमेंट फॉर टैम्पिंग,'' मुख्य रेलपथ इंजीनियर, उत्तर मध्य रेल द्वारा ''केस स्टडीज ऑन परफॉरमेन्स ऑफ WILD'' एवं मुख्य रेलपथ इंजीनियर पश्चिम रेल द्वारा ''इम्प्रूवमेंट इन क्वालिटी ऑफ थर्मिट वेल्डिंग'' भी दिए गए तथा 82वीं रेलपथ मानक समिति की लंबित मदों पर विस्तार से चर्चा की गई।

5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 115वीं बैठक

दिनांक 07 मई, 2012 को संस्थान में श्री सी.पी.तायल की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 115वीं बैठक का आयोजन सम्मेलन कक्ष में किया गया। बैठक में विशेष रूप से राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति पर चर्चा की गई। निदेशक, इरिसेन ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यालयीन कामों में जहां कहीं भी राजभाषा में काम की गुंजाइश हो अवश्य किया जाए। आपने कहा कि संस्थान में कार्य का स्वरूप पूरी तरह तकनीकी होने के बावजूद हिंदी कार्य का प्रतिशत संतोषजनक है।



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 115वीं बैठक का दृश्य

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में उपाध्यक्ष, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ श्री नीलमणि ने राजभाषा की प्रगति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान एवं छात्रावास के कार्यालय में दैनिक रूटीन कार्य विशेष रुप से राजभाषा में किए जाते हैं। स्थापना से संबंधित फॉर्मेट द्विभाषी में हैं। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने हिंदी में किए जाने वाले कार्य के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया। बैठक में सार्थक निर्णय लिए गए।

कार्यशाला

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के उपरांत सम्मेलन कक्ष में ही सदस्यों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी साहित्य की पुस्तकों के बारे में चर्चा की गई और पुस्तकालय को उत्कृष्ट पुस्तकों से समृद्ध करने के लिए सदस्यों की सलाह ली गई। निदेशक महोदय ने उक्त अवसर पर जयशंकर प्रसाद की कविता हिमाद्री तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती सुनाई। सदस्यों द्वारा भी कविता पाठ किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य राजभाषा की प्रगति के संबंध में सदस्यों को प्रोत्साहित करना था।

6. आंतकवाद विरोध दिवस



आतंकवाद विरोध दिवस पर शपथ ग्रहण का दृश्य

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 21 मई, 2012 को संस्थान में आतंकवाद विरोध दिवस मनाया गया। स्वर्गीय श्री राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आतंकवाद के विरोध में शपथ ली।

7. ग्रीन बिल्डिंग, यूनिफाइड एसओआर एवं आईआरपीएसएम पर विशेष पाठ्यक्रम

संस्थान में दिनांक 03 से 05 अप्रैल तक ग्रीन बिल्डिंग, यूनिफाइड एसओआर (SOR) एवं आईआरपीएसएम (IRPSM) पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम में ग्रीन बिल्डिंग पर परिचय, केस स्टडीज, ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग सिस्टम, उर्जा संरक्षण बिल्डिंग कोड, रेलों में यूनिफाइड एसओआर एवं आईआरपीएसएम की प्रमुख विशेषताओं के संबंध में प्रशिक्षण दिए गए तथा प्रशिक्षुओं को सजलन ग्रीन बिल्डिंग, हडपसर का दौरा भी कराया गया।

8. इरिसेन संकाय का प्रशिक्षण/सेमिनार

- श्री सी.पी.तायल, निदेशक/ इरिसेन दिनांक 09 से 13 अप्रैल, 2012 तक रेलवे स्टॉफ कॉलेज, वडोदरा में प्रमुख विभागाध्यक्षों के लिए आयोजित सट्रेटजिक मैनेजमेंट वर्कशॉप में उपस्थित हुए।

- श्री नरेश लालवानी, वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल दिनांक 22 अप्रैल से 4 मई, 2012 तक इंटरनेशनल रेलवे सट्रेटजिक मैनेजमेंट ट्रेनिंग, शंघाई (चीन) में दौरे पर गए थे। आपके इस गहन प्रशिक्षण से भविष्य में प्रशिक्षु अधिकारियों को लाभ मिलेगा।

- श्री नरेश लालवानी, वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल दिनांक 17 से 30 जून, 2012 तक अंतरराष्ट्रीय रेलवे सट्रेटजिक मैनजमेंट ट्रेनिंग के लिए पेरिस (फ्रांस) में दौरे पर गए हैं। आपके इस गहन प्रशिक्षण से प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण में इसका लाभ मिलेगा।

9. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	12207	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम	18/06/12	13/07/12
2	12305	मुख्य इंजी. (कार्य)/सीपीडीई सेमिनार	12/07/12	13/07/12
3	12203	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	16/07/12	24/08/12
4	12208	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम(पुल)	06/08/12	24/08/12
5	12202	मुख्य इंजीनियर/ टी पी के लिए सेमिनार	08/08/12	09/08/12
6	12006	भा.रे.इं.से. तैनाती परीक्षा	13/08/12	17/08/12
7	12103	समेकित पाठ्यक्रम	27/08/12	07/11/12
8	12604	अनुदेशकों (रेलपथ) के लिए पाठ्यक्रम	03/09/12	14/09/12
9	12007	भा.रे.इं.से. चरण (क्यू)	17/09/12	06/12/12
10	12307	मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार	20/09/12	21/09/12

11. विदाई



श्री शाजी झकारिया, प्राध्यापक/ ट्रैक मशीन, इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(नि.)/दक्षिण रेल/एर्नाकुलम के अधीन उप मुख्य इंजीनियर (नि.) के पद पर हो गया है। दिनांक 11 मई, 2012 को संस्थान के कार्यभार से उन्हें भारमुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



श्री नीलमणि, प्राध्यापक/रेलपथ 28 मई, 2010 से 5 जून, 2012 तक संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। राजभाषा के क्षेत्र में आपके उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्थान आपकी सराहना करता है और उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

स्वागत



श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक–पुल ने दिनांक 06 जून, 2012 से एक वर्ष के लिए संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 12101 का परिणाम

प्रथम



नरेन्द्र सिंह,
ADEN/MG अहमदाबाद, पश्चिम रेल

द्वितीय



युनूश एम.खान,
ADEN/भावनगर, पश्चिम रेल

तृतीय



सुनील कुमार आठवले,
ADEN/TMC वड़ोदरा

12. सृजन (कविता)

पथगामी

मैं एक पथगामी, ग्रीष्म की तपती बयार में,
एक बरगद के दरख्त के नीचे जा बैठा था।
पके आमों की सुगंध व ठंडी हवा के झोंको ने
निद्रा देवी की गोद में मुझे झूला दिया था।

उस वेला की सुखद याद आज भी मुझे रोमांचित करती है
जैसे दिवंगत माँ ने, मेरे सिर पर हाथ फेरा हो
सुख व आनंद के अविस्मरणीय क्षण थे वे
चारों और जैसे प्रफुल्लित समृद्धि का घेरा हो।

आज जब मैं उसी पथ से गुजरा,
न था वह बरगद,न थी हवा में खुशबू,
बन गई है, दुर्गम यात्रा
फैल रही थी, चहुं ओर गंदगी व बदबू,

किसी स्वार्थी ने कर दी थी इन जीवों की हत्या,
न समझे इनकी मनुष्य जीवन में महत्ता,
फिर भी न की किसी ने इसकी शिकायत
उलझे सभी अपनी ही समस्या में, कौन करे हिमाकत।

श्याम खोचे, सह प्राध्यापक

वास्तविक शिक्षा का यह आवश्यक अंग होना चाहिए कि जीवन संग्राम में प्रेम द्वारा घृणा पर, सत्य द्वारा असत्य पर तथा सहनशीलता द्वारा बलप्रयोग पर सहजता से विजय प्राप्त किया जा सके।
– मोहनदास करमचंद गांधी

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा सीमित केवल निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design at Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080